तापमान
अधिकतम 36 .7 डिग्री
न्यूनतम 15 .9 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, शुक्रवार 13 मार्च 2026

11 स्वयंसेविकाओं ने रैली निकाल किया लोगों को जागरूक

12 युवा समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें : सीतानंदम

खबर संक्षेप

चोरों ने राजकीय विद्यालय में लगाई सेंध

गोहाना। मिर्जापुर खेड़ी स्थित राजकीय उच्च स्कूल से से चोर बैटरी, प्रिंटर व अन्य सामान चोरी कर ले गए। मुख्याध्यापक जितेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया। जितेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि बुधवार को मेन गेट का ताला टूटा मिला था। स्कूल के अंदर के कमरे व लैब भी खुली हुई थी। चोर नौ बैटरी, एक हारमोनियम, लेजर प्रिंटर और स्कूल रिकार्ड चोरी कर ले गए।

पार्सलों से सामान चुराने का आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। शहर थाना की पुलिस ने पार्सलों से सामान चोरी करने के मामले में आरोपित गांव आहुलाना के रोहित को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। 29 जुलाई 2025 को जींद में गतौली गांव के अमित पुलिस को शिकायत दी थी कि वह डिलीवरी लिमिटेड के सुरक्षा अधिकारी के पद पर काम करता है। कंपनी को शिकायतें मिली कि कर्मी सोनू, दीपक व रोहित द्वारा डिलीवरी के दौरान पार्सलों से सामान चोरी किया गया। पुलिस ने रोहित को गिरफ्तार किया। आरोपित से एलईडी बरामद की गई।

मॉडल टाउन में महिला से मारपीट, केस दर्ज

सोनीपत। शहर के मॉडल टाउन निवासी एक युवती ने भाई के साले पर घर में घुसकर मारपीट व अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। साथ ही अन्य लोगों के साथ मिलकर परिवार के साथ मारपीट का भी आरोप है। युवती ने मामले की शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस को दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी भाभी ने अपने भाई व मां के साथ मिलकर उनके पिता के साथ मारपीट की। उनके साथ कई अन्य लोग भी शामिल थे। इस दौरान जब वह बीचबचाव करने आई तो उनके साथ भी मारपीट की गई। भाभी के भाई ने उनकी गर्दन दबाकर संवेदनशील अंगों पर हाथ मारा। इस बीच जब उसे छुड़वाने के लिए चाचा आगे आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

गैस एजेंसियों में लगी उपभोक्ताओं की भीड़, कमर्शियल सिलेंडर न मिलने से दुकानदारी पर संकट

सिलेंडर के लिए मारामारी, सर्वर ठप होने से बुकिंग बंद
उद्योगों के लिए गैस सप्लाई में भी 20% की कटौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

अमेरिका-इस्त्राइल व ईरान के बीच चल रहे पश्चिम एशिया में युद्ध से गैस आपूर्ति प्रभावित होने के कारण जहां सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी है। वहीं आपूर्ति बंद होने का असर जल्द जिला की औद्योगिक इकाइयों पर भी पड़ सकता है। कुंडली क्षेत्र में ज्यादातर उद्योगपति जहां गैस पाइपलाइन पर व्यापार करने को निर्भर है। वहीं कुछ कमर्शियल सिलेंडर के सहारे अपने कामधंधे संभाल रहे हैं। कमर्शियल की आपूर्ति बंद होने से ऐसी औद्योगिक इकाई के सामने जल्द संकट के बादल मंडरा सकते हैं। उद्योगपतियों की मानें तो जिनके पास पाइपलाइन से गैस आ रही है, उनके सामने अभी कोई परेशानी नहीं है। हालांकि ज्यादा गैस खर्च पर अलग से सरचार्ज भुगतना पड़ेगा। लापरवाही पर आपूर्ति बंद की जा सकती है। रोजाना कर्मियों का खाना बनाने में कमर्शियल गैस सिलेंडर की जगह इलेक्ट्रिक इंडक्शन का प्रयोग किया जाएगा। पाइपलाइन से गैस की सप्लाई करने वाली गेल गैस कंपनी ने औद्योगिक व कॉमर्शियल सप्लाई में 20 प्रतिशत की कटौती कर दी है।

- उपभोक्ता विवाह-शादियों व मांगलिक कार्यों का हवाला दे मांग रहे गैस सिलेंडर

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में 300 से ज्यादा फैक्ट्रियां

कंपनी की ओर से उद्यमियों को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी गई है। इसमें उद्योगपतियों को कभी भी गैस की आपूर्ति बंद करने की जानकारी दी गई है। साथ ही मंगलवार को मैसेज भेजकर कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद करने की बात कही गई है। ऐसे में अकेले कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में करीब 300 बर्तन, सिरामिक आदि की फैक्टरियां हैं, जिनमें गैस से फर्नेश चलती है। गैस की आपूर्ति कम से होने फैक्टरियों में उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे उद्योगपतियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। कुंडली, लिवासपुर, मुरथल औद्योगिक क्षेत्र में बर्तन व जूते बनाने संबंधी कई फैक्टरियां हैं। इनमें फर्नेश आदि चलते हैं। यदि पाइपलाइन से गैस की आपूर्ति बंद हुई तो फैक्टरी ही बंद हो जाएगी। उद्योगपतियों के साथ इसे चलाने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। एनसीआर में डीजल से फर्नेश या जनरेटर चलाने पर प्रतिबंध है। ऐसे में फैक्टरियों में इनके उचित प्रबंध भी नहीं है।

सोनीपत। मारवाह गैस एजेंसी पर सर्वर चलने का इंतजार करते उपभोक्ता।

घरेलू गैस के लिए सर्वर ने बढ़ाई धड़कनें, बुकिंग आंकड़ा सिमटा

घरेलू गैस सिलिंडरों पर सर्वर की मार पड़ने लगी है। आमतौर पर गैस एजेंसियों पर जहां रोजाना 350 से ज्यादा सिलेंडर की बुकिंग हो रही थी, अब यह आकड़ा 225 बुकिंग तक सिमट चुका है। उधर विवाह-शादियों व मांगलिक कार्यों के चलते लोगों के सामने गैस सिलेंडर की किल्लत पैदा होने लगी है। वीरवार को भी सुबह 5:30 बजे से 7 बजे तक चलने के बाद सिलेंडर बुकिंग का सर्वर डाउन है। ऐसे में लोग सिलेंडर के लिए एजेंसियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। यहां भी उन्हें सर्वर डाउन होने का हवाला दिया जा रहा है। वहीं बिना किसी बुकिंग के लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर भी 25 दिन की कैपिंग लगा दी है। एक सिलेंडर मिलने के बाद उपभोक्ता 25 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर ले सकते हैं। लोग सिलेंडर के लिए एजेंसियों के चक्कर लगाकर गुहार लगा रहे हैं।

कमर्शियल सिलेंडर न मिलने से फूड बाजार पर संकट गहराया

कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से शहर के व्यवसायियों का काम भी प्रभावित होने लगा है। शहर में कच्चे क्वार्टर, एटलस रोड, सुभाष चौक, मॉडल टाउन, मिशन रोड, हलवाई हट्टा में दुकानदार, होटल-रेस्तरां व खाद्य पदार्थों संबंधी स्टॉल लगाने वालों के पास भी करीब दो-तीन दिन का ही स्टॉक बचा है। संचालकों का कहना है कि आपूर्ति सुचारु नहीं हुई तो इसके बाद उनका व्यापार बंद हो सकता है। हालांकि अब तक कोई रेस्टोरेंट, होटल, स्टॉल बंद तो नहीं हुए हैं, लेकिन संचालकों का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो वह ज्यादा दिन काम को नहीं संभाल पाएंगे। फिलहाल सभी अपने पुराने स्टॉक से काम चला रहे हैं, लेकिन अधिकांश लोगों के पास दो-तीन दिन से ज्यादा का स्टॉक नहीं है। अन्यथा उन्हें डीजल की भट्ठी या तंदूर में लकड़ी लगाकर काम चलाना पड़ेगा।

मुरथल के पराठों की रौनक पड़ जाएगी फीकी

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित यहां के ढाबों भी पड़ने वाला है। बता दें कि यहां के एक तिहाई ढाबों पर पाइपलाइन से गैस की सप्लाई नहीं है। फिलहाल ढाबा व रेस्तरां संचालक पुराने स्टॉक से काम चला रहे हैं। ऐसे में विश्वभर में पराठों के लिए मशहूर मुरथल के ढाबों की रौनक फीकी पड़ सकती है। ढाबा संचालकों की मानें तो राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर दिल्ली से पानीपत लेन के किनारे पीएनजी की पाइपलाइन डाली गई है। यहां एक ओर ढाबों में ही गैस का कनेक्शन है, जबकि दूसरी ओर के सभी ढाबे कॉमर्शियल गैस सिलिंडर से काम चलाया जा रहा है। ढाबा संचालकों ने बताया कि फिलहाल उनके पास 3 दिन का गैस का स्टॉक है। अगर यही हाल रहा तो उनके समक्ष समस्या खड़ी हो सकती है।

फैक्टरियों में 80 प्रतिशत से ज्यादा गैस खर्च पर लगेगा सरचार्ज

औद्योगिक क्षेत्र में अधिकतर फैक्टरियां गैस पाइपलाइन से आपूर्ति पर निर्भर हैं। हालांकि गेल गैस की ओर से आपूर्ति में 20 प्रतिशत की कमी की गई है। यह कटौती भी पिछले छह माह की औसत खपत के आधार पर की जाएगी। साथ ही हिदायत दी गई है कि अगर कोई फैक्टरी संचालक 80 प्रतिशत से ज्यादा गैस का उपयोग करता है, तो उस पर अलग से सरचार्ज लगाया जाएगा। इसके अलावा लापरवाही बरतने पर उस फैक्टरी की लाइन को बंद भी किया जा सकता है। ऐसे में यदि गैस की आपूर्ति बाधित हुई तो क्षेत्र की करीब 300 फैक्टरियों पर इसका असर पड़ेगा। फिलहाल गैस की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है। कुछ फैक्टरियों में कमर्शियल सिलिंडरों का प्रयोग रोजाना हजारों कर्मियों के लिए खाना बनाने में किया जा रहा है। इसके लिए अब इलेक्ट्रिक इंडक्शन का प्रयोग करने का विकल्प तलाशा गया है।

-**सुभाष गुप्ता,** प्रधान, कुंडली इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन

एजेंसियों पर घरेलू सिलेंडर का स्टॉक फिलहाल पूरा

कंपनी की ओर से कमर्शियल गैस सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। इससे दुकानदारों व स्टॉल संचालकों की परेशानी बढ़ने लगी है। फिलहाल घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति जारी है। सभी एजेंसियों पर घरेलू सिलिंडरों का स्टॉक फिलहाल पूरा है। हालांकि बुकिंग के आधार पर उपभोक्ताओं को थोड़ी देर बाद ही घरेलू सिलिंडर मुहैया करवाए जा रहे हैं, लेकिन एक बार सिलिंडर लेने के 25 दिन बाद ही उपभोक्ताओं को दूसरा सिलिंडर मिल सकेगा। निर्धारित नियम अनुसार इससे कम समय में उपभोक्ताओं को सिलिंडर मुहैया करवा पाना मुकिन नहीं है। वीरवार को अचानक सर्वर डाउन होने से उपभोक्ताओं की थोड़ी परेशानी बढ़ी है, समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं।

-**राजेंद्र कुमार,** संचालक, मारवाह गैस एजेंसी, सुभाष चौक

लोगों की व्यथा

एजेंसी पर आने के बाद भी सिलेंडर बुक नहीं हुआ

पिछले साल 1 जनवरी 2025 को ऑनलाइन माध्यम से घरेलू सिलेंडर बुक करवाया था। इसके बाद अचानक से गांव जाना पड़ा। कल लौटने के बाद बुकिंग के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सर्वर नहीं चल पा रहा है। एजेंसी पर आने के बाद भी समाधान नहीं हुआ। बिना सिलेंडर परेशानी बढ़ गई है।

-**बिंटू,** तारा नगर

एजेंसी में बिना ओटीपी के सिलेंडर नहीं मिल रहा

घरेलू गैस सिलेंडर की भी किल्लत बढ़ने की बात कही जा रही है। इसके चलते एजेंसी पर सिलेंडर बुक करवाने के लिए पहुंचे, तो सर्वर डाउन बता रहे हैं। सर्वर बंद होने के कारण सुबह से बुकिंग नहीं हो रही है। एजेंसी कर्मचारी भी बिना ओटीपी के सिलेंडर नहीं देने की बात कह रहे हैं।

-**सिंगरी देवी,** डबल स्टोरी

पड़ोस की शादी में एक सिलेंडर दिया था, अब घर का खत्म

पड़ोस में शादी होने के चलते 27 फरवरी को घर का सिलेंडर दे दिया था। अब घर का सिलेंडर खत्म हो चुका है, लेकिन बुकिंग नहीं हो रही है। समाधान के लिए एजेंसी पर आए थे। एजेंसी कर्मचारियों का कहना है कि 25 दिन के बाद ही अगली बुकिंग होगी।

-**राममूर्ति,** बंदेपुर

मुरथल से खाना खाकर लौट रहे युवकों को स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने रास्ता रोककर पीटा, चेन छीनी

सोनीपत। मुरथल ढाबा पर खाना खाकर लौट रहे दो कार सवार युवकों की पिटाई कर उनकी सोने व चांदी की चेन छीनने का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कार्पियों सवार युवकों ने बीयर की बोतल से युवकों की कार का शीशा तोड़ दिया, फिर उनकी चेन छीन ली। युवको ने मामले की शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस को दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।सोनीपत की इंडियन कॉलोनी की गली नंबर-1 निवासी अनीश ने पुलिस दी शिकायत में बताया कि वह अपने झज्जर के गांव सोलदा निवासी दोस्त प्रवीन के साथ कार से मुरथल स्थित ढाबा पर खाना खाने गए थे। जब वह रात करीब साढ़े 11 बजे ढाबे से वापस लौट रहे थे तो अग्रसेन चौक के पास एक काले रंग की स्कार्पियों में सवार युवक उन्हें ओवरटेक करने लगे। वह उनका पीछा करते हुए गीता भवन चौक तक आ गए। इसके बाद अपनी स्कार्पियो उनकी कार के आगे अड़ा कर उन्हें रोक लिया। फिर स्कार्पियों से चार युवक बाहर आए, जिनके हाथ में डंडे व बीयर की बोतल थी।

कार के शीशे पर बीयर की बोतल दे मारी

इसी दौरान उनमें से एक युवक ने उनकी कार के शीशे पर बीयर की बोतल दे मारी। इससे उनकी कार का शीशा टूट गया। इसके बाद युवकों ने हम दोनों दोस्तों को कार से बाहर निकालकर पिटाई शुरू कर दी। आरोप है कि जब वह बचाव के लिए शोर मचाने लगे तो युवकों ने उनके गले से सोने व प्रवीन के गले से चांदी की चेन झपट ली और मौके से भाग गए। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल मामले की जांच कर रही है। आरोपी युवक जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मारी, पौने दो माह बाद केस

गोहाना। पूठी रोड के नजदीक ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में घायल ग्रामीण ने लगभग पौने दो माह बाद केस दर्ज कराया। हादसे में पूठी गांव का गुरदीप और जींद में राजपुरा भैणी गांव का सोमबीर 18 जनवरी को घायल हुए थे। गुरदीप ने पुलिस को बताया कि वह खरखौदा स्थित मारुति कंपनी में नौकरी करता था। वह बाइक पर मामा सोमबीर को लेने के लिए रुखी गया था। रुखी से वापस लौटते समय पूठी गांव के अड्डा के नजदीक सामने से एक ट्रैक्टर तेज गति में आ रहा था। ट्रैक्टर चालक ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए थे। स्वजन ने उसे पीजीआइ रोहतक में दाखिल कराया था। बाद में उसका उपचार एक निजी अस्पताल में हुआ। हादसे में लगी चोटों के कारण उसका एक पैर कट गया।

- हादसे में घायल युवक का एक पैर कट गया

गढ़ी केसरी में पेयजल लाइन लीक, सड़क पर बह रहा पानी

गन्नौर। गांव गढ़ी केसरी में माता मंदिर के पास पेयजल सप्लाई लाइन में लीकेज होने से काफी मात्रा में पानी व्यर्थ बह रहा है। लीकेज के कारण सड़क पर पानी फव्वारे की तरह निकल रहा है और लगातार बहता हुआ सड़क पर फैल रहा है। इससे एक ओर जहां पेयजल की बर्बादी हो रही है, वहीं सड़क पर पानी जमा होने से वाहन चालकों और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जल्द समाधान की मांग की है।

पांच हजार रुपये रिश्वत लेता एएसआई गिरफ्तार

■ मारपीट के केस से नाम निकालने के लिए ले रहा था घूस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

मारपीट के एक मामले में आरोपितों को राहत दिलाने के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस रोहतक की टीम ने थाना बड़ी में तैनात एएसआई पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। टीम ने उसे 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ काबू किया। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले गन्नौर पुल के नीचे राहुल निवासी बादली, जिला झज्जर के साथ मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में गढ़ी केसरी निवासी प्रमोद और उसके दोनों बेटों के खिलाफ थाना बड़ी में केस दर्ज किया गया था। मामले की जांच एएसआई पवन कुमार के पास थी।शिकायतकर्ता प्रमोद कुमार ने विजिलेंस विभाग को दी शिकायत में बताया कि आरोपितों को मामले से बाहर निकालने के नाम पर एएसआई पवन कुमार उससे पहले ही करीब 35 हजार रुपये ले चुका था। इसके बावजूद वह 10 हजार रुपये की और मांग कर रहा था।

- 35 हजार रुपये ले चुका था आरोपी
- रोहतक विजिलेंस की टीम ने ट्रैप लगाकर दरोगा को रंगे हाथ पकड़ा

शिकायत के अनुसार पहले 5 हजार रुपये दे दिए गए थे, जबकि शेष 5 हजार रुपये देने बाकी थे। इसके बाद प्रमोद कुमार ने इस संबंध में विजिलेंस रोहतक को शिकायत दी। शिकायत मिलने के बाद टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। तय योजना के तहत जब एएसआई पवन कुमार ने शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपये रिश्वत के तौर पर लिए, तभी पहले से मौजूद विजिलेंस टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस टीम आरोपी एएसआई को अपने साथ रोहतक ले गई है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सील मकान में सेंधमारी आभूषण व सामान चोरी

■ पड़ोस के घर में लगे सीसीटीवी में वारदात हुई कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कलावती विहार में प्राइवेट बैंक की ओर से सील किए गए एक मकान में बुधवार रात चोर ने सेंधमारी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर करीब ढाई लाख रूपये के जेवरात एवं अन्य कीमती सामान चुराकर ले गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैंक के अधिकारियों को मामले की सूचना दी। सूचना मिलने पर नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने मौके पर पहुंचकर पीड़ति परिवार से घटना की जानकारी ली। पीड़ति कृष्ण ने बताया कि उन्होंने कामधंधा करने के लिए पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से लोन ले रखा था, कुछ किश्त समय पर न भरने के कारण बैंक के अधिकारी एवं तहसीलदार की टीम ने सामान सहित मकान पर सील लगा दी थी। कृष्ण कुमार का कहना है कि बैंक अधिकारी सामान निकालने का मौका दे देते, तो उनका नुकसान होने से बच सकता था। पड़ोस में लगे सीसीटीवी में चोर साफ दिखाई दे रहा है कि वह अकेला आया और गेट पर सील लगे ताले को तोड़कर आराम से सामान चुराकर निकल गया। राजीव जैन ने पुलिस अधिकारियों से बात की, तो उन्होंने बताया कि अब यह बैंक की प्रॉपर्टी है, इसलिए बैंक की शिकायत पर ही कार्रवाई होगी। उधर कॉलोनी वासियों ने बताया कि यह कालोनी शहर के बाहरी इलाके में है, इसलिए कई बार चोरियां हो चुकी हैं। कॉलोनी वासियों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सोनीपत। वारदात की जानकारी लेते भाजपा नेता राजीव जैन।

उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया

सोनीपत। ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण करते उपायुक्त व नेता।

सोनीपत। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील सारवान ने वीरवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और वेयर हाउस से संबंधित सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा बहुत की संवेदनशील कार्य है, ऐसे में वेयर हाउस में निर्माण के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को ईवीएम वेयरहाउस के सुरक्षा प्रोटोकॉल के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में सीसीटीवी, अग्निशमन व अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

- विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चो, कुछ जीव-जंतु अपने रहने के लिए ऐसे आवास बनाते हैं, जिन्हें देखकर तुम दंग रह जाओगे! तुम यही सोचोगे कि इन्होंने इतनी अमेजिंग होम मेकिंग इंजीनियरिंग आखिर सीखी कहां से? जानो, ऐसे ही कुछ जंतुओं के अनोखे घरों के बारे में।

इंजीनियरिंग का कमाल हैं इन जंतुओं के अनोखे घर

बोवर बर्ड इंटीरियर डिजाइनिंग की मिसाल

ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी में पाए जाने वाले बोवर बर्ड का अपना घर बनाने का तरीका बड़ा ही अनोखा होता है। बोवर बर्ड अपना बोवर यानी घर बनाने के साथ-साथ उसमें इंटीरियर डिजाइन भी करता है। उसे सजाता है, संवारता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बोवर इनका असली घोंसला या आवास नहीं होता है। मादा पक्षी अंडे देने के लिए अलग घोंसला बनाती है। नर बोवर बर्ड, यह सुंदर महलनुमा घर केवल मादा को प्रभावित करने के लिए बनाता है। नर पक्षी टहनियों को जमीन में गाड़कर दो समानांतर दीवारें बनाता है, जो एक गलियारे जैसी दिखती हैं। बोवरबर्ड की कुछ प्रजातियां तो टहनियों से ऊंचे 'मेहराब' भी बनाती हैं। बोवर बर्ड अपनी सजावट के लिए बहुत चूजी होते हैं। साटन बोवर बर्ड को नीला रंग इतना पसंद है कि वह अपने घर के सामने नीले फूल, नीले पंख और यहां तक कि इंसानों द्वारा फेंकी गई नीली प्लास्टिक की बोतल के ढक्कन और पेन जैसी चीजें भी इकट्ठा करते हैं। कुछ बोवर बर्ड अपनी चोंच से फलों के रस या लकड़ी के कोयले को चबाकर 'पेंट' तैयार करते हैं और अपने घर की दीवारों को रंगते हैं। ये पक्षी अपने आंगन में पत्थरों और वस्तुओं को इस तरह क्रम में सजाते हैं (बड़ी चीजें पीछे, छोटी आगे) कि जब मादा बीच में खड़ी होती है, तो उसे नर पक्षी और उसका घर ज्यादा बड़ा और भव्य दिखाई देता है। इस तकनीक को 'फोर्स्ड पर्सपेक्टिव' कहा जाता है। *

रूफस हॉर्नेरो मिट्टी के ओवन जैसा घोंसला

दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला पक्षी रूफस हॉर्नेरो, अपने मिट्टी से बने घर के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। बच्चो, इस पक्षी की कलाकारी देखकर तुम दंग रह जाओगे। रूफस कीचड़, गोबर और सूखी घास को मिलाकर एक गोल घर बनाता है। इसका आकार पुराने जमाने के मिट्टी के ओवन जैसा दिखता है, इसलिए इसे 'हॉर्नेरो' कहा जाता है। स्पेनिश में 'हॉर्नो' का मतलब ओवन होता है। जब यह मिट्टी का घोंसला धूप में सूखकर सख्त हो जाता है, तो यह कंक्रीट जैसा मजबूत हो जाता है। भारी बारिश और तेज हवाएं भी इसे नहीं तोड़ पातीं। यह घोंसला शिकारियों से सुरक्षा के लिए एक किले की तरह काम करता है। इसका द्वार भूल-भुलैया जैसा होता है। इसके घोंसले का दरवाजा सीधा अंदर नहीं खुलता। इसके अंदर एक घुमावदार दीवार होती है, जो अंग्रेजी अक्षर 'पी' आकार का रास्ता बनाती है। यह दीवार ठंडी हवा को सीधे अंदर जाने से रोकती है। साथ ही सांपों जैसे शिकारियों के लिए बच्चों तक पहुंचने से सुरक्षित रखती है। रूफस हॉर्नेरो, अकसर बिजली के खंभों, ऊंचे पेड़ों या इमारतों के कोनों पर अपना घर बनाते हैं। *

डाइविंग बेल स्पाइडर पानी के तल पर हवेली

यह दुनिया की एकमात्र ऐसी मकड़ी है, जो अपना पूरा जीवन पानी के नीचे बिताती है। यूरोप और एशिया के देशों में नदी-तालाबों के तल पर रहने वाली इस मकड़ी के द्वारा बनाई गई 'पानी के नीचे की हवेली' की तकनीक किसी चमत्कार से कम नहीं लगती है। यह मकड़ी पानी के नीचे पौधों के बीच रेशम का एक जाल बुनती है। फिर वह सतह पर जाकर अपने शरीर के पिछले हिस्से और पैरों पर लगे घने बालों की मदद से हवा का एक बुलबुला फंसाकर नीचे लाती है। इस हवा को वह अपने जाल के नीचे छोड़ देती है, जिससे वह एक बेल (घंटी) की तरह फूल जाता है। यह बुलबुला एक 'फिजिकल गिल' की तरह काम करता है। यह पानी से ऑक्सीजन सोखता है और कार्बन डाई-ऑक्साइड को बाहर निकालता है। इस वजह से मकड़ी को बार-बार हवा लेने के लिए सतह पर नहीं जाना पड़ता। इसी हवा भरे बुलबुले के अंदर यह मकड़ी सोती है, खाना खाती है और अंडे देती है। उसका यह घर तैरकर ऊपर न चला जाए, इसके लिए वह इसे रेशमी धागों से जलीय पौधों से मजबूती से बांध देती है। शिकार करने के लिए यह मकड़ी बस अपने पैरों को बुलबुले से बाहर निकालती है और पास से गुजरने वाले कीड़ों को पकड़ लेती है। *

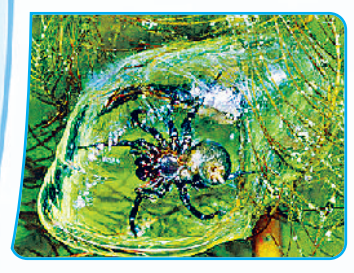

कोरल पॉलिप्स विशाल-मजबूत कॉलोनियां

कोरल पॉलिप्स, समुद्र के वे अदृश्य कलाकार होते हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी और सुंदर जीवित प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ) बनाते हैं। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि चावल के दाने जितने छोटे जीव अंतरिक्ष से दिखने वाले ऊंचे 'पहाड़' खड़े कर देते हैं। प्रत्येक कोरल पॉलिप अपने चारों ओर कैल्शियम कार्बोनेट (चूना पत्थर) का एक कठोर कवच बनाता है। जब ये पॉलिप मर जाते हैं, तो उनके कठोर कंकाल वहीं रह जाते हैं, और नए पॉलिप उनके ऊपर अपना घर बनाना शुरू कर देते हैं। हजारों सालों की इस प्रक्रिया से विशाल कोरल रीफ का निर्माण होता है। *

प्रेयरी डॉग्स जमीन के भीतर अंडरग्राउंड सिटी

बच्चो, नाम से कंफ्यूज मत होना! प्रेयरी डॉग्स असल में डॉगी नहीं, बल्कि गिलहरी परिवार के सदस्य हैं, जो जमीन के नीचे अद्भुत अंडरग्राउंड शहर बसाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी इंजीनियरिंग इतनी सटीक होती है कि इंसानी शहरों का ड्रेनेज सिस्टम भी इसके सामने फेल हो जाए। इनके बनाए विशाल 'टाउन' केवल एक बिल नहीं, बल्कि हजारों मील में फैले भूमिगत शहर जैसे होते हैं। टेक्सास (अमेरिका) में एक बार 25,000 वर्ग मील में फैला इनका एक टाउन पाया गया था, जिसमें लगभग 40 करोड़ प्रेयरी डॉग्स रहते थे। ये शहर पीढ़ियों तक चलते हैं। इनके घर में अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग कमरे होते हैं, जैसे- बच्चों के लिए 'नर्सरी', सोने के लिए 'बेडरूम', खाना रखने के लिए 'स्टोर रूम' और यहां तक कि कचरे के लिए अलग जगह होती है। प्रवेश द्वार के पास एक 'लिस्निंग पोस्ट' भी होता है, जहां से वे शिकारियों पर नजर रखते हैं। प्रेयरी डॉग्स अपने बिल के मुहानों को अलग-अलग ऊंचाई पर बनाते हैं। इससे दबाव में अंतर पैदा होता है, जिससे ताजी हवा अपने आप सुरंगों के अंदर घूमती रहती है। यह एक बेहतरीन वेंटिलेशन इंजीनियरिंग का उदाहरण है। ये बिल के प्रवेश द्वार पर मिट्टी के ऊंचे टीले बनाते हैं। ये टीले न केवल इन्हें ऊंचाई से शिकारियों को देखने में मदद करते हैं, बल्कि बारिश के पानी को सुरंग के अंदर जाने से भी रोकते हैं। *

कविता / शादाब आलम

क्या कहने चावल के

क्या कहने चावल के भाई
कम है, जितनी करो बड़ाई।
इसे दूध के साथ मिलाकर
मजा बहुत आता है खाकर।
अगर राजमा चावल पाऊं
तीन प्लेट भरकर मैं खाऊं।
बने पुलाव जब घर में अपने
कोना-कोना लगे महकने।
कढ़ी और चावल की जोड़ी
नहीं किसी ने अब तक तोड़ी।
घूम-घूम कर बेचे भोले
बड़े गजब के चावल छोले।
जब नानी के घर जाता हूं
रोज दही चावल खाता हूं।
आज बनी है घर में तरुरी
सुनकर खुश हो गई सुनरुरी।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मजेदार कहानियां

बच्चो, हाल में छपकर आई 'होलू का दिमाग चलता है' सात मजेदार कहानियों की किताब है। पहली कहानी 'होलू का दिमाग चलता है' में तुम जिज्ञासु-नटखट होलू के एक से बढ़कर एक काल्पनिक और गुदगुदाते प्रश्नों को पढ़कर हंसे बिना नहीं रहोगे। 'हवा ने चांटा मारा' अर्श से हवा की काल्पनिक बातचीत पर आधारित कहानी है। बोलने में अटकने वाली मुन्नी क्यों उदास हो जाती है, कैसे फिर से खिलखिलाने लगती है? इसे तुम 'भाड़ में जाए' कहानी में पढ़ सकते हो। 'मैं लौट आया' सपने में पक्षी बनकर उड़ते हुए पड़ोसी देश की यात्रा करने वाले बच्चे की प्यारी सी कहानी है। यह कहानी अलग-अलग देशों के बीच होने वाली शत्रुता पर भोले-भाले सवाल पूछती है। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत रोचक और सीख देने वाली हैं। *

किताबः होलू का दिमाग चलता है, **लेखकः** दिविक रमेश
मूल्यः 175 रुपए, **प्रकाशकः** अनबाउंड स्क्रिप्ट, दिल्ली

जीके क्विज-196

1. दिल्ली का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर किसे नियुक्त किया गया है?
2. हाल ही में किस देश की क्रिकेट टीम को हराकर भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता?
3. चेस के 93 वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले इंडियन चेस प्लेयर का नाम क्या है?
4. विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
5. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
6. हमारे पड़ोसी देश भूटान की राजधानी का क्या नाम है?
7. सती प्रथा समाप्त करने में किस समाज सुधारक का महत्वपूर्ण योगदान था?
8. भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
9. फ्लाइंग सिख के नाम से किस इंडियन एथलीट को जाना जाता है?
10. टाइटन किस ग्रह का उपग्रह है?

बच्चो, जीके क्विज-196 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-195 का उत्तर : 1.केरलम, 2.सचिन तेंदुलकर, 3.रॉब जेटन , 4. 20 मार्च, 5.नारंगी, 6.कार्बन डाई ऑक्साइड, 7.किडनी, 8.हीलियम, 9.आर्कटिक महासागर, 10.समुद्रगुप्त

जीके क्विज-195 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कुणाल-रोहतक, आस्था-दिल्ली, अजय-सिरसा, प्रवीण-ईमेल से, रमेश-रायगढ़, तेजस-रायपुर, सुमन-महेंद्रगढ़, मुकेश-जींद, चंचल-दिल्ली, किशन-बिलासपुर, सचिन-रोहतक

अपनी सहेली रूठ जाए तो दिल में टीस होगी ही। अंकिता अपनी सहेली अबीहा से रूठ गई। लेकिन कुछ देर बाद अबीहा ने जो किया, अंकिता की सारी नाराजगी पल भर में दूर हो गई। एक प्यारी-मीठी कहानी।

रूठ गई सहेली

छोटी कहानी
सिराज अहमद

आज अंकिता अपनी सबसे प्यारी दोस्त अबीहा से रूठ गई थी। वजह बहुत छोटी थी, पर उसका असर बड़ा हो गया। सुबह स्कूल में अंकिता थोड़ी देर से पहुंची, तब तक अबीहा ने सोचा कि शायद वह आज नहीं आएगी, छुट्टी पर है। इसलिए उसने अपनी दूसरी क्लासमेट को अपने बगल में बैठा लिया।

थोड़ी देर बाद अंकिता आ गई। उसने अबीहा के बगल में दूसरी लड़की को बैठे देखा तो उसका चेहरा उतर गया। अंकिता को लगा कि अबीहा ने उसकी जगह किसी और को दे दी। उसने कुछ कहा नहीं, लेकिन मन ही मन अबीहा से नाराज हो गई। लंच टाइम हुआ तो दोनों, जो हमेशा साथ बैठकर खाना खाती थीं, आज अलग-अलग बैठी थीं। अबीहा को यह बहुत बुरा लग रहा था। उसे अपनी दोस्त की चुप्पी काटने लगी। तभी उसे कुछ याद आया। अबीहा ने टिफिन खोला, अंदर मीठे परांठे थे, वही जो अंकिता को बहुत पसंद थे। जैसे ही परांठों की खुशबू फैली, अंकिता की नाक फड़क उठी। वह खुद को रोक न सकी। झटपट उठी, अबीहा की टिफिन की ओर बढ़ी और हंसते हुए बोली, 'यह मेरे हिस्से का परांठा है!'

अबीहा ने हंसकर कहा, 'ये लो, पहले तुम खा लो।' अंकिता ने एक टुकड़ा खाया और हंसते हुए क्लास में दौड़ पड़ी। उसके पीछे-पीछे अबीहा भी दौड़ने लगी। क्लास की बाकी बच्चियां हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं।

कुछ देर बाद दोनों थककर साथ बैठ गईं। टिफिन के परांठे बांटकर खाने लगीं। गुस्सा कहीं उड़ गया था। मीठे परांठों की खुशबू ने एक बार फिर उनकी दोस्ती में मिठास घोल दी थी। *

कहानी
क्षमा शर्मा

आदित्य और अंशु के पास एक कैरम बोर्ड था। अकसर शाम को बाहर खेलने जाने से पहले दोनों कैरम खेलते थे। बहुत बार वे बाहर न जाकर सिर्फ कैरम ही खेलते रहते थे। एक बार कैरम की गोटियों में आपस में बहस हो रही थी कि अगर वे न हों तो कोई कैरम खेल ही नहीं सकेगा। गुलाबी रंग की रानी गोटी यानी क्वीन इन सब की बातें सुन इतरा कर बोली, 'बड़ी चली हो महारानी बनने। जानती नहीं कि तुम सबकी रानी तो मैं ही हूं। मैं न होऊं तो तुम सब कुछ नहीं कर सकोगी।'

एक गोटी जो लड़ाकू थी, वह झिड़ककर बोली, 'तुम तो बस दिखाने भर की रानी हो। अपने बल पर तो अकेली बोर्ड से बाहर भी नहीं निकल सकतीं। हमेशा अपने पीछे हम में से कोई एक चाहिए कवर करने के लिए।'

'अरे रहने दो! अपने आप ही पिछलग्गू बनी चली आती हो मेरे पीछे। ना भी आओ तो मेरा क्या बिगड़ेगा? रहूंगी तो मैं रानी ही।' रानी की अकड़ भरी बात सुनकर बाकी गोटियों को बहुत गुस्सा आया। सबने मन ही मन तय किया कि रानी को सबक सिखा कर रहेंगे। अब जैसे ही दो बच्चे कैरम खेलने बैठते, गोटियां फटाफट बाहर निकलने लगतीं। लेकिन जैसे ही रानी बाहर निकलती बाकी गोटियां जैसे बोर्ड पर जम जातीं। चाहे जितना स्ट्राइकर मारो, वे टस से मस न होतीं। इससे बच्चे बार-बार रानी गोटी को बोर्ड पर पटकते, जिससे उसे चोट भी लगती। वह दर्द से कराहती। बाकी गोटियां इस दशा पर मुस्कुरातीं, 'अरे! रानी है, कर लेगी न सब अपने आप।'

इन सब गोटियों में एक गोटी ऐसी भी थी, जिसे रानी को देख तकलीफ होती। एक दिन उसने अपनी सहेली गोटियों से कहा, 'हम सबने रानी को बहुत सजा दे ली। लेकिन अब इस लड़ाई को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि यह भी तो हो सकता है कि हमसे खेलने वाले बच्चे हमारी हरकतों से तंग आकर दूसरी गोटियां ले आएं और हमें कूड़ेदान में फेंक दिया जाए। तब हम सबका क्या होगा, तुमने सोचा है? यहां तो हम सब आराम से रहते हैं। गर्मी, सर्दी, बरसात सबसे बचे रहते हैं। बाहर की दुनिया कैसी होगी, क्या पता? कूड़ेदान में से उठाकर किसी ने हमें आग में जला दिया तो..., तब हमारा क्या होगा? आखिर बनी तो हम लकड़ी से ही हैं।' उस गोटी की बातें सुन कर सारी गोटियां सोच में पड़ गईं। सबने देखा कि रानी गोटी के आंसू बह रहे थे। वह बोली, 'वैसे तो मैं रानी हूं, लेकिन मुझे यह बात क्यों समझ में नहीं आई कि गलती मेरी ही थी। घमंड में आकर मैंने अपनी सभी सहेलियों का अपमान किया। सबको मुसीबत में डाल दिया। सॉरी फ्रेंड्स।'

रानी ने यह कहा तो सारी गोटियां खुशी से उछलने लगीं। वे कूद-कूद कर बोर्ड के ऊपर नाचने लगीं। एक-दूसरे को जोक्स सुनाने लगीं और हंस-हंस कर लोट-पोट होने लगीं। उन्हें लगा कि इतनी हंसी तो जीवन में उन्होंने पहली बार सुनी है।

अगले दिन जब आदित्य और अंशु कैरम खेलने लगे तो गोटियों में होड़ लग गई। वे सबकी सब रानी से पहले ही बोर्ड से बाहर जाने की तैयारी करने लगीं। बच्चों को भी आज खेलना बहुत अच्छा लगा। एक गोटी बाहर निकलती तो वे जोर से तालियां बजाते। ऐसा लग रहा था, जैसे सारी गोटियां भी ताली बजा रही हैं। *

कैरम की रानी गोटी (क्वीन) और अन्य गोटियों में ऐसा घमंड जागा कि दोनों अपना-अपना महत्व जताते हुए बोलीं कि वे ना हों तो कैरम खेलना मुमकिन नहीं। तभी एक समझदार गोटी ने ऐसा कुछ कहा कि रानी गोटी और अन्य सभी गोटियां अपनी बहस भूलकर आपस में घुल-मिल कर हंस-हंस कर नाचने लगीं। आखिर उस समझदार गोटी ने ऐसा क्या कहा?

नाचने लगीं गोटियां

रंग भरो-197

रंग भरो-197 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

काशवी, रायपुर

वेदिका, कोरबा

प्रगति, बिलासपुर

कुंजल, रायपुर

रिधान, अंबिकापुर

प्रभु, कोरबा

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आशना-जांजगीर, डॉली-दुर्ग, डिपल-दुर्ग, पयोनिधि-अंबिकापुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रोशनी-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सुरभि-करनाल, तेजस-बिलासपुर, सुमन-हिसार

रंग भरो 198

बच्चो, यहां एक छोटे-से एक्वेरियम में मछली को चारा डालती एक लड़की का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

मोनिका स्टेट एनएसएस अवॉर्ड के लिए चयनित

सोनीपत। जीवीएम कन्या महाविद्यालय की एनएसएस स्वयंसेविका मोनिका को स्टेट एनएसएस अवॉर्ड के लिए चुना गया है। संस्था के प्रधान डॉ. ओपी परूथी व प्राचार्य डॉ. मंजुला स्पाह, कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी ने मोनिका को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अन्य स्वयंसेविकाओं के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। रूचिका विरमानी ने बताया कि उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने वर्ष 2023-24 के अंतर्गत मोनिका को स्टेट एनएसएस अवॉर्ड के लिए चुना है। आमतौर पर एनएसएस स्टेट अवॉर्ड के लिए तीन पुरुष तथा तीन महिला स्वयंसेवकों और एक कार्यक्रम अधिकारी का चयन किया जाता है। महिला स्वयंसेविकाओं में जीवीएम की मोनिका का नाम शामिल किया जाना पूरे जीवीएम परिवार के लिए गर्व की बात है।

मनोदेव इंटरनेशनल स्कूल में पुरस्कार वितरण समारोह में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सम्मानित

ट्रॉफी और मेडल के साथ प्रमाण पत्र पाकर खिले विजेता छात्रों के चेहरे

प्रधानाचार्या भावना ने विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

मनोदेव इंटरनेशनल स्कूल, पिपली (खरखौदा) में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, खेल तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का वातावरण देखने को मिला।

विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पहली कक्षा में पूर्वी, श्रेया प्रथम, नित्यम द्वितीय व नायरा तृतीय, दूसरी में परी प्रथम, रिधान द्वितीय व तृतीय अनवी, तीसरी में रिया प्रथम, खुशाल द्वितीय, पलकक्षी व जिया तृतीय, चौथी में हिमांश प्रथम, पूर्व द्वितीय व जिया तृतीय, पाँचवी में गौरव प्रथम, यश द्वितीय, अवनी व तृतीय माहिन, छठी में हर्ष प्रथम, रिदम द्वितीय व विहान तृतीय, सातवीं में पूर्व प्रथम, हर्षित द्वितीय व भव्या तृतीय तथा आठवीं कक्षा में यशवी प्रथम, अंश द्वितीय व जयंत तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय के प्रबंधन सुनीता व प्रधानाचार्या भावना ने विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उन्हें जीवन में निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

खरखौदा। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करता स्कूल प्रबंधन।

ये रहे प्रतियोगित के परिणाम

पहली कक्षा में पूर्वी, श्रेया प्रथम, नित्यम द्वितीय व नायरा तृतीय, दूसरी में परी प्रथम, रिधान द्वितीय व तृतीय अनवी, तीसरी में रिया प्रथम, खुशाल द्वितीय, पलकक्षी व जिया तृतीय, चौथी में हिमांश प्रथम, पूर्व द्वितीय व जिया तृतीय, पाँचवी में गौरव प्रथम, यश द्वितीय, अवनी व तृतीय माहिन प्राप्त कर नाम रोशन किया।

खरखौदा। शिक्षकों संग निबंध लेखन के प्रतिभागी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

निबंध लेखन में तान्या प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

वाणिज्य विभाग द्वारा शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय खरखौदा में भारतीय अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशियाई देशों के संघर्ष का प्रभाव विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य विभाग के डॉ. विक्रम व मधुलता द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय घटनाओं तथा उनके भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. तराना नेगी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर होने वाले संघर्षों का प्रभाव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा समसामयिक विषयों पर अपनी समझ विकसित करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के परिणामों में तान्या (बी.कॉम द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान, साक्षी (बी.कॉम द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान तथा दक्ष (बी.कॉम प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बड़ी रोड पर नाला निर्माण के बाद भी सड़क पर भरा पानी व फैला कीचड़।

बड़ी रोड पर नाला बनने से जलभराव बना परेशानी

गन्नौर। बड़ी रोड पर लाखों रुपये की लागत से नाला निर्माण होने के बावजूद सड़क पर जलभराव की समस्या खत्म नहीं हुई। अब भी सड़क पर गंदा पानी भरने के साथ कीचड़ फैला हुआ है। जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों का कहना है कि नाला निर्माण का उद्देश्य सड़क पर जलभराव की समस्या को खत्म करना था, लेकिन निर्माण कार्य के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। सड़क पर जमा पानी और कीचड़ के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कत होती है। कई बार वाहन फिसलने का खतरा भी बना रहता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर पानी भरने के कारण उन्हें कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। वाहन चालक इस स्थिति के लिए नगरपालिका प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए नाराजगी जता रहे हैं।

खरखौदा। प्रभावित किसानों की बात सुनते विधायक पवन खरखौदा।

सरकार हर कदम पर खड़ी किसानों के साथ : पवन

खरखौदा। सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। चाहे किसानों के हित में कोई योजना चलानी हो या प्राकृतिक आपदा से नुकसान हुआ हो। उस की भरपाई के लिए सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। यह दावा है क्षेत्रीय विधायक पवन खरखौदा का है। विधानसभा क्षेत्र के गांव नकलोई में कई दिन पहले नहर टूटने के कारण कई एकड़ फसल जल मग्न हो गई थी। जिसका विधायक मौका मुआयना करने के लिए पहुंचे। विधायक ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को बुलाकर किसानों के खेतों में भरे पानी को जल्द निकलवाने व उनकी समस्याओं का समाधान करने के आदेश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नहर टूटने के कारण जो भी किसानों का नुकसान हुआ है। सरकार से हर संभव सहायता दिलवाई जाएगी। किसानों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा, क्योंकि सरकार किसानों के हितों के लिए ही काम कर रही है।

इनेलो ने हमेशा से किसानों, मजदूरों और युवाओं की आवाज उठाई : सुरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। युवा सम्मेलन को लेकर जनसंपर्क करते इनेलो के पदाधिकारी।

इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से 23 मार्च को नरवाना में आयोजित होने वाले युवा सम्मेलन को लेकर इनेलो नेता व खरखौदा हलके के प्रभारी सुरेश त्यागी ने विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों और युवाओं को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाते हुए युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचने की अपील की। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सुरेश त्यागी ने कहा कि इनेलो हमेशा से किसानों, मजदूरों और युवाओं की आवाज उठाती रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार और बेहतर भविष्य देने के लिए इनेलो लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे 23 मार्च को नरवाना में होने वाले युवा सम्मेलन में बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। त्यागी ने कहा कि आज प्रदेश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है, जबकि सरकार युवाओं की समस्याओं की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि इनेलो युवाओं को मजबूत मंच देने और उनकी आवाज को बुलंद करने का काम कर रही है। इसी उद्देश्य से नरवाना में युवा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश भर से बड़ी संख्या में युवा भाग लेंगे। त्यागी ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में यह सम्मेलन युवाओं के लिए नई दिशा तय करेगा। सम्मेलन में युवाओं के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और संगठन को मजबूत करने के लिए भी रणनीति बनाई जाएगी।

सोनीपत। गांव महलाना में एनएसएस शिविर के दौरान कुमारी बीके प्रमोद के साथ टीकाराम कन्या महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेविकाएं।

स्वयंसेविकाओं ने महलाना में रैली निकाल किया लोगों को जागरूक

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय की एनएसएस इकाई एक व दो की ओर से सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत वीरवार को यूथ ऑफ माई भारत एंड डिजिटल लिटरेसी के तहत दूसरे दिन गांव महलाना में रैली निकाल लोगों को जागरूक किया। इससे पहले मेडिटेशन सेंटर से कुमारी बीके प्रमोद ने स्वयंसेविकाओ को मेडिटेशन करवाया। साथ ही उन्होंने स्वयंसेविकाओ को समाज कल्याण की भावना से प्रेरित करते हुए स्वयं के अंदर ही परमतत्व के माध्यम से दया, करुणा, सहिष्णुता के भाव को जागृत करने के लिए प्रेरित किया। शिविर की संयोजक व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिव्याश्री व डॉ. आशा रानी मौजूद रही। शिविर में 106 स्वयंसेविकाएं ने भाग लिया।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवक का राज्यस्तरीय पुरस्कार के लिए चयन

- छोटू राम आर्य महाविद्यालय में खुशी का माहौल, प्रबंधकों ने खुशी जताकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

छोटू राम आर्य महाविद्यालय के एक एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व एक एनएसएस स्वयंसेवक का सत्र 2023–24 के लिए प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय एनएसएस पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष हरियाणा सरकार के राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट समाज सेवा, नेतृत्व क्षमता व सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों को प्रदान किया जाता है। चयनित कार्यक्रम अधिकारी में प्रोफेसर डॉ. ऊषा दहिया, चयनित स्वयंसेवकों में प्रियांशु शामिल हैं। इन दोनों ने एनएसएस के माध्यम से समाजसेवा, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान शिविर व विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए उत्कृष्ट योगदान दिया। जिससे महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ है। प्राचार्य डॉ. जेएस फोर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है। एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन और सेवा भावना का विकास होता है। वहीं टीका राम शिक्षा समिति, सोनीपत के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दहिया ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी व शिक्षक समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

सोनीपत। छोटू राम आर्य महाविद्यालय में प्रबंधन के साथ एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। नई अनाज मंडी में नई सरसों की फसल का निरीक्षण करते चेयरमैन अरुण चौहान, वाइस चेयरमैन संजय वर्मा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मार्केट कमेटी कार्यालय में चेयरमैन ने की बैठक

सोनीपत। जिला मार्केट कमेटी कार्यालय में चेयरमैन अरुण चौहान की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में किसानों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। बैठक के उपरांत मंडी परिसर में निर्मित नए शेड का चेयरमैन ने निरीक्षण किया। साथ ही अटल कैंटीन का भी निरीक्षण किया गया, जहां किसानों को मात्र 10 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना के अंतर्गत प्रति थाली 15 रुपये का सहयोग मार्केट कमेटी, सोनीपत की ओर से दिया जाता है। इस दौरान मंडी में आई नई सरसों की फसल का भी निरीक्षण कर किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन संजय वर्मा, सचिव जितेंद्र, एसडीओ, जेई, कमेटी सदस्य मनोज दहिया, भावना सैनी, संजय सेहरा,

श्रीकृष्ण ने मित्र सुदामा को दो मुट्ठी चावल के बदले प्रदान किए दो लोक : भक्ति प्रसाद विष्णु

- कथा में 7वें दिन कथाव्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका लीला, सुदामा चरित्र व भक्तों के प्रति प्रेम की अद्भुत झलकियों का किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में गुड़ मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा 7वें दिन कथाव्यास श्रील भक्ति प्रसाद विष्णु गोस्वामी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका लीला, सुदामा चरित्र व भगवान के भक्तों के प्रति उनके प्रेम की अद्भुत झलकियों का वर्णन किया। श्रील भक्ति प्रसाद विष्णु गोस्वामी महाराज ने बताया कि सच्चे भक्त की पहचान उसके प्रेम, विनम्रता व भगवान में अटूट विश्वास से होती है। जरासंध के वध के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने उनके पुत्र को राजगद्दी पर बैठाया। सुदामा प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि जब सुदामा की पत्नी सुशीला को ज्ञात हुआ कि द्वारकाधीश श्रीकृष्ण उनके बचपन के मित्र हैं, तो उन्होंने सुदामा को श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका जाने के लिए प्रेरित किया। सुदामा के महल पहुंचने पर द्वारकाधीश श्रीकृष्ण नंगे पैर दौड़कर उनसे मिले और उन्हें अपने महल में लेकर आए। भगवान ने सुदामा की पोटली से चावल की दो मुट्ठी खाई। तीसरी मुट्ठी खाने से पहले देवी रुक्मिणी ने उन्हें रोक लिया।

सोनीपत। अग्रवाल धर्मशाला में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करते श्रद्धालु।

गोहाना। अस्पताल में दाखिल मरीज का हालचाल जानते हुए डीसी सुशील सारवान।

डीसी ने नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

गोहाना। उपायुक्त सुशील सारवान ने गुरुवार को गोहाना के नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई व्यवस्था तथा विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने अस्पताल में बीपी जांच, एक्स-रे सुविधा, दवा वितरण व्यवस्था तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की भी समीक्षा की। डीसी ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने संबंधी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उपायुक्त ने कहा कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं।

स्वयंसेविकाओं को पर्यावरण संरक्षण दिलाया संकल्प

प्लेट आर्ट कंपीटिशन में प्रिया कश्यप ने बाजी मारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत के गांव ठरू में आवासीय शिविर के तीसरे दिन प्राध्यापिकाओं व ग्रामीण महिलाओं के साथ जीवीएम कन्या महाविद्यालय की स्वयंसेविकाएं। फोटो : हरिभूमि

जीवीएम कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने गांव ठरू में जारी आवासीय शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेविकाओं तथा ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक को अलविदा करने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही उन्होंने स्टार्ट-अप के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। जीवीएम संस्था के प्रधान डॉ. ओपी परूथी व प्राचार्य डॉ. मंजुला स्पाह ने सामाजिक समस्याओं के समाधान की दिशा में किए गए प्रयास की प्रशंसा की। एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी के कुशल नेतृत्व में शिविर की शुरुआत प्रभातफेरी में हुनमान चालिसा का पाठ व योगाभ्यास के साथ की गई। शिविर की थीम-स्किल डेवल्पमेंट, स्वदेशी व इमोशनल वेल बीइंग रही। प्रथम सत्र में गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका मोनिका ठक्कर व प्रिया ने स्किल बेस्ड वर्कशॉप में फैब्रिक प्रिंटिंग, टी-शर्ट प्रिंटिंग, टोट बैग डिजायनिंग और मनचूरियन बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्राध्यापिकाओं ने स्वयंसेविकाओं व ग्रामीणों को प्लास्टिक को न कहने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया, ताकि कपड़े के बैग का प्रयोग बढ़े। स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने तथा प्रतिभागियों को स्टार्ट-अप्स के लिए नए आइडियाज को प्रस्तुत किया गया, जिससे स्वदेशी व आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

ये रहे विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

प्लेट आर्ट कंपीटिशन में प्रिया कश्यप ने प्रथम, कशिश व हिमांशी ने संयुक्त रूप से द्वितीय, साक्षी व शिवानी ने तृतीय स्थान हासिल किया। पूजा व राधिका को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फ्लेमलैस कुकिंग स्पर्धा में लेखा व खुशी ने प्रथम, ईशा कौशिक व तन्नू ने द्वितीय, साक्षी व शिवानी ने तृतीय, सलौनी को सांत्वना पुरस्कार मिला। सायंकालीन सत्र में संदीप बत्रा ने सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया।

भावर मोड़ से खानपुर तक सड़क निर्माण फिर शुरू, मिलेगी सुविधा

- 16 किलोमीटर सड़क पर खर्च होंगे 4 करोड़ रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भावर मोड़ से खानपुर तक प्रस्तावित सड़क के निर्माण कार्य को एक बार फिर शुरू कर दिया गया है। करीब 16 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सड़क बनने से क्षेत्र के कई गांवों के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। जानकारी के अनुसार इस सड़क का निर्माण कार्य कुछ समय पहले शुरू किया गया था, लेकिन ग्रेप नियमों और सर्दी के मौसम के कारण काम बीच में ही रोकना पड़ा था। अब मौसम साफ होने के बाद निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया है। संबंधित विभाग के अनुसार सड़क के कुल 16 किलोमीटर हिस्से में से अब तक करीब 7 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष हिस्से पर तेजी से काम किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क की लंबे समय से मांग की जा रही थी। इस सड़क से गन्नौर से खानपुर मेडिकल तक आवाजाही रहती है, लेकिन सड़क खराब होने के कारण लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में स्थिति और भी ज्यादा खराब हो जाती थी।

अगले माह में पूरा हो जाएगा काम

पीडब्ल्यूडी एसडीओ अनिल चहल ने बताया कि सात किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण फिर से शुरू कर दिया गया है। अप्रैल के अंत तक एजेंसी को काम समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। सड़क निर्माण की मानिटरिंग की जा रही है, ताकि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूरा हो सके।

खबर संक्षेप

समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

गोहाना। गुरुवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर में उपायुक्त सुशील सारवान ने लोगों की शिकायतें सुनीं। शिविर में 24 लोगों ने शिकायतें पेश की जो मुख्य रूप से अवैध कब्जे हटवाने और इंतकाल, रजिस्ट्री कराने से संबंधित रही। उपायुक्त ने अधिकारियों को जल्द समाधान करने व मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। गांव कथूरा के ग्रामीणों ने उनके गांव में गेहूं की खरीद के लिए केंद्र शुरू करने की मांग की।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में सुमन रही प्रथम

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा सुमन पुत्री विजेंद्र ने आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय पानीपत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया तथा 'नारी सशक्तिकरण से बदलता भारत' विषय पर निबंध लिखकर प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ पांच सौ रुपये का नकद पुरस्कार भी प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम

पेंशन सत्यापन के लिए लगाई कर्मियों की ड्यूटी

गन्नौर। नगर पालिका गन्नौर क्षेत्र में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन तथा लाडो लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के सत्यापन के लिए नगर पालिका सचिव ने विभिन्न कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए कार्य को जल्दी पूरा करने के आदेश दिए है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा पंचकूला के निर्देशों के तहत नगर पालिका गन्नौर में 17 वार्डों के लिए 17 टीम का गठन किया गया है। इसके लिए मैम्बर सेक्रेट्री नियुक्त किए गए हैं, जिनकी निगरानी में पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों का सत्यापन किया जाएगा। नगर पालिका सचिव प्रदीप खर्ब ने बताया कि 1 से 4 वार्डों के लिए 14 मार्च को सुबह 10 बजे नगरपालिका में बैठक मैम्बर सेक्रेट्री के रूप में सौरभ राठी (लिपिक) कार्य करेंगे।

सोनीपत के प्रतिनिधिमंडल ने अपने नेताओं के साथ की बैठक

एलसीएलओ कर्मचारियों ने 23 को सीएम आवास घेरने का किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विज्ञापन सीपीएलओ का निकाला गया और हमें बिना काम-वेतन के एलसीएलओ बनाकर अधर में छोड़ दिया गया : नीतीश

हरियाणा में एलसीएलओ कर्मचारियों और सरकार के बीच तकरार गहराती जा रही है। पिछले साढ़े पांच महीनों से कुरुक्षेत्र में धरने पर बैठे इन युवाओं का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। वीरवार को सोनीपत के प्रतिनिधिमंडल ने अपने नेताओं के साथ हुडा पार्क में बैठक की। कुरुक्षेत्र में चल रहे 19 सितंबर से लंबित धरने को तेज करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए आगामी रणनीति बनाई।

एलसीएलओ कर्मचारी यूनियन के राज्य उपप्रधान नीतीश ने बतायया कि एलसीएलओ यूनियन ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। यूनियन ने दो बड़े फैसले लिए हैं, जिसके तहत 23 मार्च शहीदी दिवस को प्रदेशभर के कर्मचारी कुरुक्षेत्र के पीपली में मुख्यमंत्री सैनी के आवास का घेराव करेंगे। यदि फिर भी समाधान नहीं हुआ तो 4 हजार एलसीएलओ कर्मचारी, उनके परिवार और रिश्तेदार आगामी चुनावों में मतदान नहीं करेंगे। राज्य उपप्रधान नीतीश ने बताया कि यह विवाद पदनाम

सोनीपत। हुडा पार्क में रोष जताते एलसीएलओ कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल।

बदलने और वेतन न मिलने से जुड़ा है। क्रीड (सीआरआईडी) के तहत सीपीएलओ पद के लिए परीक्षा ली गई थी, लेकिन चयन के बाद आधे युवाओं को सीपीएलओ बनाया गया, जबकि आधे का पदनाम बदलकर एलसीएलओ कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एलसीएलओ को 18 महीने से न काम मिला है और न वेतन तथा सीपीएलओ को मात्र 6 हजार मिल रहे हैं।

आंदोलन की दी चेतावनी

उन्होंने कहा कि हमारा शोषण चरम पर है। विज्ञापन सीपीएलओ का निकाला गया और हमें बिना काम-वेतन के एलसीएलओ बनाकर अधर में छोड़ दिया गया। जब तक हमें सीपीएलओ के समान पद और वेतन नहीं मिलता, संघर्ष यू ही जारी रहेगा। यूनियन ने साफ कर दिया है कि अगर इनके बाद भी कोई हल नही निकला तो सर्व कर्मचारी संघ और सीटू मिलकर एक बड़ा संयुक्त आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर प्रशासन और हरियाणा सरकार की होगी। इस अवसर पर नीतीश कौशिक, सुमित, निखिल, रितु, रामधन, मनजीत सहित काफी कर्मचारी मौजूद रहे।

17,237 वाहनों के काटे चालान 56.34 लाख का लगाया जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत पुलिस आयुक्त ममता सिंह के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त नरेंद्र कादियान के नेतृत्व में मोडिफाइड साइलेंसर लगाकर बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखा बजाने, ध्वनि प्रदूषण फैलाने व लोगों को परेशान करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक सोनीपत में यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों के कुल 17,237 चालान किए गए हैं। इन वाहन चालकों पर 56,34,600 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अभियान के तहत बुलेट बाइक में पटाखा साइलेंसर (मोडिफाइड साइलेंसर) लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई है। वर्ष 2026 में अब तक ऐसे 142 चालान किए गए हैं, जिन पर 3,31,950 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

- बुलेट से 'पटाखा' बजाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस का कड़ा प्रहार

यातायात पुलिस ने बताया कि बुलेट बाइक के साइलेंसर में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ कर पटाखा बजाना मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। भविष्य में भी ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने युवाओं व उनके अभिभावकों से अपील की, कि वह अपने वाहनों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ न करें, यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़कों पर शांति एवं सुरक्षा बनी रहे।

समाधान शिविर में पहुंचीं तहसील में भ्रष्टाचार की शिकायतें

खरखौदा। यहां आयोजित समाधान शिविर के दौरान एसडीएम डॉ निर्मल नागर से साथ विधायक पवन खरखौदा भी पहुंचे। इस दौरान तहसील से जुड़ी चार ऐसी शिकायतें सामने आईं, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही थीं। सोहटी गांव निवासी जयपाल राणा एक वकील के साथ पहुंचे और आरोप लगाया कि खरखौदा तहसील में कार्यरत एक महिला क्लर्क काम के बदले पैसे मांग रही है। उन्होंने कहा कि वे चाहते तो मामले को विजिलेंस तक ले जा सकते थे, लेकिन कर्मचारियों को सचेत करने के लिए इसे समाधान शिविर में उठाया। जयपाल राणा ने यह भी शिकायत की कि तहसील के कमरा नंबर 117 में तैनात कर्मचारी अक्सर सीट से गायब रहते हैं, जबकि हाजिरी रजिस्टर में उनकी उपस्थिति दर्ज होती है। उन्होंने बताया कि वे और नगरपालिका के वाइस चेयरमैन कई बार चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन कर्मचारी मौके पर नहीं मिलते और उनका काम लंबित है। इसके अलावा एनओसी के बावजूद ऑनलाइन रजिस्ट्री को बेवजह रिवर्ट करने की शिकायत भी सामने आई।

शराब का ठेका खोलने का विरोध, डीसी को दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव जगदीशपुर की ग्राम पंचायत ने उपायुक्त को हरियाणा आबकारी नीति 2025-27 के नियम की अवहेलना करते हुए गांव में उप शराब का ठेका खोलने संबंधी शिकायत दी है। सरपंच पुष्पा, पंच रचना, पूजा, महेंद्र, तरूण ने बताया कि ग्रामवासी जगदीशपुर डाकखाना झुंडपुर ब्लॉक मुरथल में चल रहे उप शराब ठेका आबकारी अधिकारियों की मिलीभगत से नियमों को ताक पर रखकर आबादी में खुलवाया गया है। हरियाणा मंत्रिमंडल की ओर से पारित आबकारी नीति के प्रावधान अनुसार ठेका आबादी क्षेत्र से दूर होना चाहिए। किसी के मकान से ठेके के मेन गेट की दूरी 100 मीटर से कम नहीं होनी चाहिए। जबकि आबकारी नीति के नियम में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि कोई भी शराब का ठेका व उप शराब ठेका गांव की फिरनी से बाहर होना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारी से आबकारी विभाग की ओर से अनुमोदित नक्शे की जांच भी कराई जाए। यह गांव की सामूहिक समस्या है। इस उप ठेके को गांव से करीब कम से कम 1 किलोमीटर की दूरी पर रखा जाए।

युवा समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें : सीतानंदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वल के साथ किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सेविका समिति नागपुर की महासचिव सीतानंदम ने कहा कि महिलाओं की शक्ति, प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता देश के विकास की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए आगे बढना चाहिए। महिलाओं में बहुत आत्मबल है। राष्ट्रीय सेविका समिति हरियाणा की सह कार्यवाहक अंजली जैन ने कहा कि राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस मौके पर महिला प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. मंजू पंवार, प्रो. रीना व डा. वीणा शर्मा उपस्थित रहे।

- राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर कार्यक्रम आयोजित

घर के बुजुर्ग होते हैं अनुभव व ज्ञान का खजाना : महेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

घर के बुजुर्ग अपने जीवन भर के अनुभवों, ज्ञान और निस्वार्थ प्रेम का एक अमूल्य खजाना होते हैं। उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमें सफलता की राह दिखाता है और मानसिक मजबूती देता है। ये विचार शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल के एमडी महेंद्र सिंह मलिक ने व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार ग्रहण करने पर बल दिया। एमडी महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि संस्कार भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। अच्छे संस्कार व्यक्ति के चरित्र निर्माण, शुद्धिकरण और व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं। घर में बुजुर्ग व्यक्तियों का सानिध्य हमें अनुभव, प्रेम और संस्कारों की अमूल्य शिक्षा देता है। उनके पास बैठकर, हम जीवन के उतार-चढ़ाव, अनुशासन, धैर्य और सही फैसले लेना सीखते हैं। वे न केवल हमारे मार्गदर्शक होते हैं बल्कि अपनी मेहनत और संघर्षों की कहानियों से हमें एक बेहतर और संतुलित इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं। महेंद्र मलिक ने विद्यार्थियों को संस्कार पूरित सांस्कृतिक मूल्यों के साथ ईमानदारी से मेहनत करते हुए जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

पूर्व सांसद ने स्कूटी व व्हीलचेयर देकर दो दिव्यांगजनों की जिंदगी को बनाया आसान

सोनीपत। जिले के दिव्यांगजनों के लिए राहत भरी खबर है। सांसद कोटे के तहत सोनीपत के दो दिव्यांगजनों को स्कूटी व व्हीलचेयर प्रदान की गई। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में वीरवार को वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोनीपत के पूर्व सांसद रमेश चंद्र कौशिक ने दिव्यांगों को स्कूटी व व्हीलचेयर की चाबी सौंपकर उन्हें सम्मानित किया। बता दें कि दोनों दिव्यांगजनों ने करीब दो साल पहले सांसद कोटे के तहत स्कूटी व व्हीलचेयर के लिए आवेदन किया था। लंबी प्रक्रिया के बाद अब जाकर उनकी मांग पूरी हो सकी है। स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से यह स्कूटी व व्हीलचेयर उन्हें उपलब्ध करवाई गई है, जिससे दिव्यांगजनों को आने-जाने व दैनिक कार्यों में काफी सुविधा मिलेगी। पूर्व सांसद रमेश चंद्र कौशिक ने कहा कि दिव्यांगजनों की मदद करना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है।

गेटवे अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीकों पर ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गेटवे अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के संगणक विज्ञान विभाग की ओर से बीटेक संगणक विज्ञान द्वितीय वर्ष व कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन अधिगम द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईटी) का शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण करवाया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शैक्षणिक वातावरण, अनुसंधान गतिविधियों तथा आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना रहा। संगणक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. आकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में यह भ्रमण किया गया। भ्रमण का सफल संचालन विभाग की प्राध्यापिकाओं नूतन कौशिक, प्रिया त्यागी, प्रतिभा दबस व विकास कुच्छल ने किया। इनके नेतृत्व में विद्यार्थियों ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक विभागों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा नवाचार केंद्रों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं तथा तकनीकी नवाचारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को देखा और यह जाना कि किस प्रकार नए-नए अनुसंधान कार्यों और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाया जा रहा है।

अवैध निर्माण को किया गया ध्वस्त

सोनीपत। जिला में अवैध कॉलोनियों और निर्माणों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है। वीरवार को गांव अकबरपुर बरोटा की राजस्व सम्पदा में निकट अकबरपुर बरोटा पुलिस चौकी के सामने 2.5 एकड़ व गांव बाजिदपुर सबौली से अकबरपुर बारोटा रोड़ पर 18 एकड़ में बनी अवैध कालोनियों में डब्ल्यूबीएम रोड, कच्चे रास्ते व व्यवसायिक शेड बनाकर व्यवसायिक अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। जिसको जिला प्रशासन के सहयोग से ध्वस्त किया गया। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) अजमेर सिंह ने लोगों का आह्वान किया कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे सडक, पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती।

प्रदेश के पहले भू-विभाजन कैंप में 15 भू-मालिकों ने दी विभाजन की सहमति

खरखौदा। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में भू-राजस्व प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए राजस्व प्रशासन ने अनूठी पहल की है। गांव छिनौली में तहसीलदार बिजेंद्र नांदल की अध्यक्षता में भू-राजस्व अधिनियम 1887 की धारा 111-ए की उपधारा (1) के तहत भू-विभाजन के लिए एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों और भू-मालिकों को स्वेच्छा से जमीन के विभाजन के लिए प्रेरित करना था, ताकि भविष्य में होने वाले विवादों को कम किया जा सके। प्रशासन द्वारा जारी नोटिस के बाद कैंप में लगभग 60 भू-मालिक उपस्थित हुए। तहसीलदार बिजेंद्र नांदल ने ग्रामीणों को इस अधिनियम के लाभ समझाते हुए बताया कि विभाजन से मालिकाना हक स्पष्ट होता है और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होती है। उपस्थित लोगों में से 15 व्यक्तियों ने मौके पर ही अपनी सहमति प्रदान की। सरकार की इस मुहिम में यह एक आश्चर्यजनक परिणाम माना जा रहा है। कैंप के सफल आयोजन में हल्का कानूनगो रामदास, हल्का पटवारी मनजीत, सरपंच विजय, नंबरदार संदीप और चौकीदार कृष्ण एवं अन्य ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सोनीपत जिला में इस तरह का यह पहला कैंप है, जहाँ मौके पर ही विभाजन की प्रक्रिया को गति दी गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

योजना इच्छुक पात्र महिलाएं कल तक जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में करवा सकती हैं पंजीकरण

योजना का लाभ पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा

आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार महिलाओं को रैपिडो प्लेटफॉर्म पर करेगी ऑन बोर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके लिए नए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से रैपिडो प्लेटफार्म पर ऑन बार्ड किया जाएगा। सरकार द्वारा रैपिडो कंपनी के साथ एमओयू किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसके तहत महिलाओं को रैपिडो सेवा में कैप्टन/ड्राइवर के रूप में जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि रैपिडो प्लेटफॉर्म से जुड़कर महिलाएं स्वयं का रोजगार शुरू कर सकेंगी और अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगी।

आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी जरूरी

उपायुक्त ने बताया कि इस योजना के तहत जिले से कम से कम 25 से 30 इच्छुक महिला लाभार्थियों के आवेदन पत्रों को मुख्यालय भिजवाया जाएगा। योजना के लिए इच्छुक पात्र महिलाएं 14 मार्च तक पुरानी डीसी ऑफिस बिल्डिंग के कमरा नंबर 18 में स्थित जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में अपना पंजीकरण करवा सकती है। इस योजना का लाभ पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। योजना के तहत आवेदन करने वाली महिला हरियाणा राज्य की निवासी होनी चाहिए तथा उसकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है। इसके अलावा आवेदनकर्ता अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग से संबंधित हो या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंध रखती हो तथा उसके पास प्रमाणित जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध होना चाहिए। इसके अलावा उसके पास पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी मान्य ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। महिला द्वारा स्व-हस्ताक्षरित सहमति पत्र भी देना होगा तथा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि आवेदिका किसी भी क्षेत्र में घोषित डिफॉल्टर न हो। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, उन्हें समाज में आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करेगी।

बेटी बोझ नहीं अभियान के तहत सेफ इंडिया फाउंडेशन ने कराई 166वीं जरूरतमंद युवती की शादी

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन की ओर से संचालित बेटी बोझ नहीं– जरूरतमंद कन्या विवाह परियोजना के अंतर्गत अग्रवाल पैराडाइज गार्डन में एक जरूरतमंद युवती का विवाह सादगी, सम्मान व सामाजिक संवेदनशीलता के साथ संपन्न करवाया। संस्था की ओर से अब तक करवाई गई शादियों की संख्या 166 तक पहुंच गई है। चेयरमैन वाईके त्यागी व प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि यह अभियान केवल विवाह करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच व सम्मान की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। वर्षों से संस्था दानदाताओं व समाजसेवियों के सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के हाथ पीले कर रही है।

जरूरी सामान किया प्रदान

विवाह की को-ऑर्डिनेटर शालू त्यागी ने बताया कि कन्या को बेड, अलमारी, ड्रेसिंग टेबल, सिलाई मशीन, कुर्सी मेज,गद्दे, चांदी का सामान, स्टील बर्तन सेट, कपड़े, साड़ी ,घड़ी, मेकअप किट, कुकर, संदूक, सूटकेस सहित संपूर्ण गृहस्थी का आवश्यक सामान प्रदान किया गया। महिला प्रधान शालू त्यागी ने बताया कि संस्था प्रत्येक मामले में परिवार की आर्थिक स्थिति की गहन जांच-पड़ताल के बाद ही विवाह संपन्न कराती है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके। प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि बेटी किसी परिवार का बोझ नहीं, बल्कि उसका गौरव व भविष्य होती है।